॥ श्री गणेशाय नमः ॥

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।

Vakratunda Mahakaya, Suryakoti Samaprabha.

निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

Nirvighnam Kuru Me Deva, Sarva Karyeshu Sarvada.

O Lord with the curved trunk and mighty form, radiant as ten million suns: remove every obstacle from all my undertakings, always.

SIGNATURE KUNDALI REPORT

प्रीमियम कुंडली रिपोर्ट

A complete Vedic birth-chart reading, computed from your exact birth details

Aarav Sharma

15 August 1990, Wednesday | 10:30 AM local | Mumbai, India (19.08 N, 72.88 E)

Prepared with care by Vedic Astrology

vedicastrology.services

Generated 30 Sep 2026

SAMPLE

Contents

विषय सूची

1. Birth details and birth panchang 3
2. Lagna: the ascendant, ruler of the self 5
3. Chandra: the Moon, ruler of the mind 6
4. Navagraha: the nine planets in your chart 7
5. Vimshottari dasha: your timeline 11
6. Vargas: the divisional charts 13
7. Doshas and yogas: pressure points and gifts 16
8. Upay: your personalized remedies 18
9. Your next 12 months: transits 19
10. Closing: how to walk with this report 21

SAMPLE

CHAPTER 1

Birth details and birth panchang

जन्म विवरण और जन्म पंचांग

This report is cast for Aarav Sharma, born 15 August 1990 at 10:30 AM local time in Mumbai, India. Every chart, dasha date and interpretation in the pages that follow is computed from these exact birth details using the Lahiri ayanamsha. Nothing here is generic: change the birth time by even a few minutes and the reading changes with it.

यह रिपोर्ट Aarav Sharma के लिए बनाई गई है, जिनका जन्म 15 अगस्त 1990 को स्थानीय समय 10:30 AM पर Mumbai, India में हुआ। आगे के पृष्ठों में हर कुंडली, दशा तिथि और व्याख्या इन्हीं सटीक जन्म विवरणों से लाहिड़ी अयनांश के साथ गणना की गई है। यहां कुछ भी सामान्य नहीं है: जन्म समय में कुछ मिनट का अंतर भी व्याख्या बदल देता है।

Detail विवरण	Value मान
Name नाम	Aarav Sharma Aarav Sharma
Date of birth जन्म तिथि	15 August 1990, Wednesday 15 अगस्त 1990, बुधवार
Time of birth जन्म समय	10:30 AM local 10:30 AM स्थानीय
Place of birth जन्म स्थान	Mumbai, India (19.08 N, 72.88 E) Mumbai, India (19.08 उ., 72.88 पू.)
Lagna (Ascendant) लग्न	Virgo (कन्या) कन्या (Virgo)
Moon sign (Rashi) चंद्र राशि	Taurus (वृषभ) वृषभ (Taurus)
Janma nakshatra जन्म नक्षत्र	Rohini, Pada 3 रोहिणी, चरण 3

SAMPLE

Panchang at birth

जन्म के समय का पंचांग

The sky at the moment of birth sets the foundation of the chart. Your birth panchang:

जन्म के क्षण का आकाश कुंडली की नींव रखता है। आपके जन्म का पंचांग:

Element तत्व	Value मान
Tithi तिथि	Krishna Dashami (ruled by Sun) कृष्ण दशमी (सूर्य द्वारा शासित)
Vara (weekday) वार	Wednesday बुधवार
Nakshatra नक्षत्र	Rohini, Pada 3 रोहिणी, चरण 3
Karana करण	Vanija वणिज
Paksha पक्ष	Krishna कृष्ण पक्ष
Anandadi yoga आनंदादि योग	Shubha (auspicious) Shubha (शुभ)

Born in krishna paksha under Rohini, your Moon carries a waning, inward-gathering emotional current. The Anandadi yoga of the day, Shubha, colors the undertone of your birth: Auspiciousness; clean, bright, favorable outcomes.

कृष्ण पक्ष में रोहिणी नक्षत्र में जन्म लेने से आपके चंद्रमा में घटती हुई, भीतर समेटने वाली भावनात्मक धारा है। जन्म के दिन का आनंदादि योग Shubha आपके जन्म की अंतर्धारा को रंग देता है: Auspiciousness; clean, bright, favorable outcomes.

SAMPLE

CHAPTER 2

Lagna: the ascendant, ruler of the self

लग्न: स्वयं का शासक

Your lagna, the ascendant, is Virgo (कन्या). The lagna is the sign rising on the eastern horizon at your birth: it shapes your body, temperament, and the lens through which you meet the world. Its lord is Mercury (बुध), which makes Mercury the single most important planet in your chart: the ruler of your self.

आपका लग्न कन्या (Virgo) है। लग्न जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदय हो रही राशि है: यह आपके शरीर, स्वभाव और दुनिया से मिलने के दृष्टिकोण को आकार देता है। इसके स्वामी बुध (Mercury) हैं, जो बुध को आपकी कुंडली का सबसे महत्वपूर्ण ग्रह बनाता है: आपके स्वयं का शासक।

Mercury sits in Leo in your 12th house. Because the lagna lord rules the house of self, its placement shows where your life energy naturally concentrates: foreign lands, expenses, solitude and spiritual retreat.

बुध आपके 12th भाव में सिंह राशि में स्थित हैं। लग्नेश स्वयं के भाव का स्वामी है, इसलिए उसकी स्थिति बताती है कि आपकी जीवन ऊर्जा स्वाभाविक रूप से कहां केंद्रित होती है: विदेश, व्यय, एकांत और आध्यात्मिक साधना।

No planet sits in your lagna itself, so your ascendant expresses the pure, unmodified nature of Virgo: its qualities come through cleanly, shaped mainly by its lord Mercury.

आपके लग्न में कोई ग्रह स्थित नहीं है, इसलिए आपका लग्न कन्या की शुद्ध, अपरिवर्तित प्रकृति व्यक्त करता है: इसके गुण स्पष्ट रूप से आते हैं, मुख्यतः इसके स्वामी बुध द्वारा आकार लेकर।

Your five core traits

आपके पांच मुख्य गुण

- analytical
  विश्लेषणात्मक
- precise
  सटीक
- helpful
  सहायक

SAMPLE

- modest
  विनम्र
- discerning
  विवेकशील

Your lagna falls in the 3 decanate (drekkana) of Virgo, ruled by Venus. The decanate refines the ascendant: it is the finer shade within the sign, describing the particular flavor of your Virgo rising.

आपका लग्न कन्या के 3 द्रेष्काण में पड़ता है, जिसके स्वामी शुक्र हैं। द्रेष्काण लग्न को परिष्कृत करता है: यह राशि के भीतर की सूक्ष्म छटा है, जो आपके कन्या लग्न के विशेष स्वाद का वर्णन करती है।

CHAPTER 3

Chandra: the Moon, ruler of the mind

चंद्रमा: मन का शासक

If the lagna is the body, the Moon is the mind. Your janma rashi (Moon sign) is Taurus (वृषभ), ruled by Venus (शुक्र), and your janma nakshatra is Rohini (रोहिणी), pada 3. In Vedic practice the Moon sign is the sign of your emotional life: it is the rashi used for transits, muhurat and the yearly forecast.

यदि लग्न शरीर है, तो चंद्रमा मन है। आपकी जन्म राशि वृषभ (Taurus) है, जिसके स्वामी शुक्र (Venus) हैं, और आपका जन्म नक्षत्र रोहिणी (Rohini), चरण 3 है। वैदिक परंपरा में चंद्र राशि भावनात्मक जीवन की राशि है: गोचर, मुहूर्त और वार्षिक भविष्यवाणी में यही राशि प्रयोग होती है।

Your Moon is exalted in Taurus, the sign of its greatest strength: emotional resilience and steadiness come naturally to you.

आपका चंद्रमा वृषभ में उच्च का है, अपनी सबसे बलवान राशि में: भावनात्मक लचीलापन और स्थिरता आपको स्वाभाविक रूप से प्राप्त हैं।

You were born in Krishna paksha, tithi Dashami ruled by Sun, karana Vanija, on a Wednesday. Each of these layers flavors the mind: the tithi lord colors desire, the karana colors action, the weekday colors temperament.

आपका जन्म कृष्ण पक्ष, तिथि दशमी में हुआ, जिसके स्वामी सूर्य हैं, करण वणिज, बुधवार के दिन। इनमें से हर परत मन को रंग देती है: तिथि स्वामी इच्छा को, करण कर्म को, और वार स्वभाव को रंगता है।

SAMPLE

Classical Moon conditions in your chart

आपकी कुंडली में चंद्रमा की शास्त्रीय स्थितियां

None of the classical lunar afflictions (Kemadruma, Sakata, Gandmool, Amavasya birth, Balarshta, papa-kartari) are present in your chart. Your Moon stands free of the major classical blemishes: a clear emotional foundation.

आपकी कुंडली में कोई भी शास्त्रीय चंद्र दोष (केमद्रुम, शकट, गण्डमूल, अमावस्या जन्म, बालारिष्ट, पापकर्तरी) उपस्थित नहीं है। आपका चंद्रमा प्रमुख शास्त्रीय दूषणों से मुक्त है: एक स्पष्ट भावनात्मक नींव।

CHAPTER 4

Navagraha: the nine planets in your chart

नवग्रह: आपकी कुंडली में नौ ग्रह

Nine grahas, nine currents of life. Below, each planet is read exactly as it stands in your chart: sign, house, dignity, speed and the aspects it receives. Read slowly: this is the engine room of your kundali.

नौ ग्रह, जीवन की नौ धाराएं। नीचे हर ग्रह को ठीक वैसे पढ़ा गया है जैसे वह आपकी कुंडली में स्थित है: राशि, भाव, बल, गति और उस पर पड़ने वाली दृष्टियां। धीरे-धीरे पढ़ें: यह आपकी कुंडली का इंजन कक्ष है।

SAMPLE

Sun

सूर्य

Sun sits in Cancer (कर्क) in your 11th house, in Ashlesha (आश्लेषा) nakshatra, pada 4. Sun naturally signifies soul, father, authority and vitality, and from the 11th house it shapes gains, friends, elder siblings and ambitions. It receives the aspect of Mars (4th aspect), Rahu (7th aspect), which modifies its expression.

सूर्य आपके 11th भाव में कर्क (Cancer) राशि में, आश्लेषा (Ashlesha) नक्षत्र, चरण 4 में स्थित हैं। सूर्य स्वाभाविक रूप से आत्मा, पिता, अधिकार और जीवन शक्ति के कारक हैं, और 11th भाव से यह लाभ, मित्र, बड़े भाई-बहन और आकांक्षाएं को आकार देता है। इस पर मंगल (4th दृष्टि), राहु (7th दृष्टि) की दृष्टि है, जो इसकी अभिव्यक्ति को प्रभावित करती है।

Moon

चंद्रमा

Moon sits in Taurus (वृषभ) in your 9th house, in Rohini (रोहिणी) nakshatra, pada 3, exalted, in the sign of its greatest strength. It stands in pushkar navamsha, a nourishing degree. Moon naturally signifies mind, mother, emotions and public rapport, and from the 9th house it shapes dharma, fortune, mentors, long journeys and higher learning.

चंद्रमा आपके 9th भाव में वृषभ (Taurus) राशि में, रोहिणी (Rohini) नक्षत्र, चरण 3 में स्थित हैं, उच्च का, अपनी सबसे बलवान राशि में। यह पुष्कर नवांश में है, एक पोषक अंश। चंद्रमा स्वाभाविक रूप से मन, माता, भावनाएं और लोक संपर्क के कारक हैं, और 9th भाव से यह धर्म, भाग्य, गुरु, लंबी यात्राएं और उच्च शिक्षा को आकार देता है।

Mars

मंगल

Mars sits in Aries (मेष) in your 8th house, in Krittika (कृत्तिका) nakshatra, pada 1. It stands in pushkar navamsha, a nourishing degree. Mars naturally signifies courage, drive, siblings and property, and from the 8th house it shapes longevity, transformation, joint assets and research.

मंगल आपके 8th भाव में मेष (Aries) राशि में, कृत्तिका (Krittika) नक्षत्र, चरण 1 में स्थित हैं। यह पुष्कर नवांश में है, एक पोषक अंश। मंगल स्वाभाविक रूप से पराक्रम, जोश, भाई-बहन और संपत्ति के कारक हैं, और 8th भाव से यह आयु, परिवर्तन, साझा धन और शोध को आकार देता है।

Mercury

बुध

Mercury sits in Leo (सिंह) in your 12th house, in Purva Phalguni (पूर्वाफाल्गुनी) nakshatra, pada 4. Mercury naturally signifies intellect, speech, business and learning, and from the 12th house it shapes foreign lands, expenses, solitude and spiritual retreat.

बुध आपके 12th भाव में सिंह (Leo) राशि में, पूर्वाफाल्गुनी (Purva Phalguni) नक्षत्र, चरण 4 में स्थित हैं। बुध स्वाभाविक रूप से बुद्धि, वाणी, व्यापार और विद्या के कारक हैं, और 12th भाव से यह विदेश, व्यय, एकांत और आध्यात्मिक साधना को आकार देता है।

Jupiter

बृहस्पति

SAMPLE

Jupiter sits in Cancer (कर्क) in your 11th house, in Pushya (पुष्य) nakshatra, pada 1, exalted, in the sign of its greatest strength. Jupiter naturally signifies wisdom, mentors, children and dharma, and from the 11th house it shapes gains, friends, elder siblings and ambitions. It receives the aspect of Mars (4th aspect), Rahu (7th aspect), which modifies its expression.

बृहस्पति आपके 11th भाव में कर्क (Cancer) राशि में, पुष्य (Pushya) नक्षत्र, चरण 1 में स्थित हैं, उच्च का, अपनी सबसे बलवान राशि में। बृहस्पति स्वाभाविक रूप से ज्ञान, गुरु, संतान और धर्म के कारक हैं, और 11th भाव से यह लाभ, मित्र, बड़े भाई-बहन और आकांक्षाएं को आकार देता है। इस पर मंगल (4th दृष्टि), राहु (7th दृष्टि) की दृष्टि है, जो इसकी अभिव्यक्ति को प्रभावित करती है।

Venus

शुक्र

Venus sits in Cancer (कर्क) in your 11th house, in Pushya (पुष्य) nakshatra, pada 2. It stands in pushkar bhaga, a fortunate degree. Venus naturally signifies love, comfort, luxury and the arts, and from the 11th house it shapes gains, friends, elder siblings and ambitions. It receives the aspect of Mars (4th aspect), Rahu (7th aspect), which modifies its expression.

शुक्र आपके 11th भाव में कर्क (Cancer) राशि में, पुष्य (Pushya) नक्षत्र, चरण 2 में स्थित हैं। यह पुष्कर भाग में है, एक शुभ अंश। शुक्र स्वाभाविक रूप से प्रेम, सुख, विलासिता और कलाएं के कारक हैं, और 11th भाव से यह लाभ, मित्र, बड़े भाई-बहन और आकांक्षाएं को आकार देता है। इस पर मंगल (4th दृष्टि), राहु (7th दृष्टि) की दृष्टि है, जो इसकी अभिव्यक्ति को प्रभावित करती है।

Saturn

शनि

Saturn sits in Sagittarius (धनु) in your 4th house, in Purva Ashadha (पूर्वाषाढ़ा) nakshatra, pada 4. It is retrograde: its energy turns inward, favoring review and refinement over haste. Saturn naturally signifies discipline, patience, karma and longevity, and from the 4th house it shapes home, mother, property and inner peace.

शनि आपके 4th भाव में धनु (Sagittarius) राशि में, पूर्वाषाढ़ा (Purva Ashadha) नक्षत्र, चरण 4 में स्थित हैं। यह वक्री है: इसकी ऊर्जा भीतर की ओर मुड़ती है, जल्दबाजी के बजाय समीक्षा और सुधार को बल देती है। शनि स्वाभाविक रूप से अनुशासन, धैर्य, कर्म और आयु के कारक हैं, और 4th भाव से यह घर, माता, संपत्ति और आंतरिक शांति को आकार देता है।

SAMPLE

Rahu

राहु

Rahu sits in Capricorn (मकर) in your 5th house, in Shravana (श्रवण) nakshatra, pada 1. It is retrograde: its energy turns inward, favoring review and refinement over haste. Rahu naturally signifies ambition, foreign connections and unconventional paths, and from the 5th house it shapes children, creativity, learning and romance. It receives the aspect of Sun (7th aspect), Jupiter (7th aspect), Venus (7th aspect), Ketu (7th aspect), which modifies its expression.

राहु आपके 5th भाव में मकर (Capricorn) राशि में, श्रवण (Shravana) नक्षत्र, चरण 1 में स्थित हैं। यह वक्री है: इसकी ऊर्जा भीतर की ओर मुड़ती है, जल्दबाजी के बजाय समीक्षा और सुधार को बल देती है। राहु स्वाभाविक रूप से महत्वाकांक्षा, विदेशी संबंध और अपरंपरागत मार्ग के कारक हैं, और 5th भाव से यह संतान, रचनात्मकता, विद्या और प्रेम को आकार देता है। इस पर सूर्य (7th दृष्टि), बृहस्पति (7th दृष्टि), शुक्र (7th दृष्टि), केतु (7th दृष्टि) की दृष्टि है, जो इसकी अभिव्यक्ति को प्रभावित करती है।

Ketu

केतु

Ketu sits in Cancer (कर्क) in your 11th house, in Pushya (पुष्य) nakshatra, pada 3. It is retrograde: its energy turns inward, favoring review and refinement over haste. Ketu naturally signifies detachment, insight, spirituality and moksha, and from the 11th house it shapes gains, friends, elder siblings and ambitions. It receives the aspect of Mars (4th aspect), Rahu (7th aspect), which modifies its expression.

केतु आपके 11th भाव में कर्क (Cancer) राशि में, पुष्य (Pushya) नक्षत्र, चरण 3 में स्थित हैं। यह वक्री है: इसकी ऊर्जा भीतर की ओर मुड़ती है, जल्दबाजी के बजाय समीक्षा और सुधार को बल देती है। केतु स्वाभाविक रूप से वैराग्य, अंतर्दृष्टि, आध्यात्मिकता और मोक्ष के कारक हैं, और 11th भाव से यह लाभ, मित्र, बड़े भाई-बहन और आकांक्षाएं को आकार देता है। इस पर मंगल (4th दृष्टि), राहु (7th दृष्टि) की दृष्टि है, जो इसकी अभिव्यक्ति को प्रभावित करती है।

SAMPLE

CHAPTER 5

Vimshottari dasha: your timeline

विंशोत्तरी दशा: आपकी समयरेखा

Vimshottari dasha is the timing engine of Vedic astrology: a 120-year cycle of planetary periods that shows WHEN each planet delivers its results. Your sequence is fixed by your birth nakshatra, Rohini, and every date below is computed, not estimated.

विंशोत्तरी दशा वैदिक ज्योतिष का समय इंजन है: ग्रहों की अवधियों का 120 वर्ष का चक्र जो बताता है कि हर ग्रह अपना फल कब देगा। आपका क्रम आपके जन्म नक्षत्र रोहिणी से निश्चित है, और नीचे हर तिथि गणना की गई है, अनुमानित नहीं।

Mahadasha महादशा	Period अवधि	Years वर्ष
Moon Mahadasha चंद्रमा महादशा	15 Aug 1990 to 3 Dec 1993 15 अगस्त 1990 से 3 दिसंबर 1993	3 3
Mars Mahadasha मंगल महादशा	3 Dec 1993 to 3 Dec 2000 3 दिसंबर 1993 से 3 दिसंबर 2000	7 7
Rahu Mahadasha राहु महादशा	3 Dec 2000 to 3 Dec 2018 3 दिसंबर 2000 से 3 दिसंबर 2018	18 18
Jupiter Mahadasha बृहस्पति महादशा	3 Dec 2018 to 3 Dec 2034 3 दिसंबर 2018 से 3 दिसंबर 2034	16 16
Saturn Mahadasha शनि महादशा	3 Dec 2034 to 3 Dec 2053 3 दिसंबर 2034 से 3 दिसंबर 2053	19 19
Mercury Mahadasha बुध महादशा	3 Dec 2053 to 3 Dec 2070 3 दिसंबर 2053 से 3 दिसंबर 2070	17 17
Ketu Mahadasha केतु महादशा	3 Dec 2070 to 3 Dec 2077 3 दिसंबर 2070 से 3 दिसंबर 2077	7 7
Venus Mahadasha शुक्र महादशा	3 Dec 2077 to 3 Dec 2097 3 दिसंबर 2077 से 3 दिसंबर 2097	20 20
Sun Mahadasha सूर्य महादशा	3 Dec 2097 to 4 Dec 2103 3 दिसंबर 2097 से 4 दिसंबर 2103	6 6
Moon Mahadasha	4 Dec 2103 to 4 Dec 2113	10

SAMPLE

Your current period

आपकी वर्तमान अवधि

Right now you are running Jupiter mahadasha (3 Dec 2018 to 3 Dec 2034) / Ketu antardasha / Mercury pratyantardasha. This is the single most important timing fact in your chart today.

वर्तमान में आपकी बृहस्पति महादशा (3 दिसंबर 2018 से 3 दिसंबर 2034 तक) / केतु अंतर्दशा / बुध प्रत्यंतरदशा चल रही है। आज आपकी कुंडली में यह सबसे महत्वपूर्ण समय तथ्य है।

The mahadasha lord Jupiter stands in your 11th house in Cancer, exalted and strong. Its period therefore activates gains, friends, elder siblings and ambitions, colored by Jupiter's natural significations of wisdom, mentors, children and dharma.

mahadasha के स्वामी बृहस्पति आपके 11th भाव में कर्क राशि में स्थित हैं, उच्च और बलवान। इसलिए इनकी अवधि में लाभ, मित्र, बड़े भाई-बहन और आकांक्षाएं सक्रिय होता है, बृहस्पति के नैसर्गिक कारकत्व ज्ञान, गुरु, संतान और धर्म के रंग में।

Within it, the Ketu antardasha runs 8 Nov 2025 to 15 Oct 2026: the sub-season inside the season, setting the month-to-month texture of this phase.

इसके भीतर केतु अंतर्दशा 8 नवंबर 2025 से 15 अक्टूबर 2026 तक चल रही है: ऋतु के भीतर उप-ऋतु, जो इस चरण की माह-दर-माह बनावट तय करती है।

The antardasha lord Ketu stands in your 11th house in Cancer, retrograde. Its period therefore activates gains, friends, elder siblings and ambitions, colored by Ketu's natural significations of detachment, insight, spirituality and moksha.

antardasha के स्वामी केतु आपके 11th भाव में कर्क राशि में स्थित हैं, वक्री। इसलिए इनकी अवधि में लाभ, मित्र, बड़े भाई-बहन और आकांक्षाएं सक्रिय होता है, केतु के नैसर्गिक कारकत्व वैराग्य, अंतर्दृष्टि, आध्यात्मिकता और मोक्ष के रंग में।

On the horizon: Saturn mahadasha begins 3 Dec 2034. Begin preparing for its themes (home, mother, property and inner peace) a year in advance; dashas cast their shadow before they arrive.

क्षितिज पर: शनि महादशा 3 दिसंबर 2034 से शुरू होगी। इसके विषयों (घर, माता, संपत्ति और आंतरिक शांति) की तैयारी एक साल पहले से शुरू करें; दशाएं आने से पहले अपनी छाया डालती हैं।

SAMPLE

Dasha dates use the standard 1 year = 365.25 days convention used by professional software.

दशा तिथियों में पेशेवर सॉफ्टवेयर की मानक परंपरा (1 वर्ष = 365.25 दिन) प्रयोग की गई है।

CHAPTER 6

Vargas: the divisional charts

वर्ग: विभागीय कुंडलियां

The rashi chart (D1) is the body; the divisional charts are its subtle layers. Classical practice reads D9 (Navamsha) for marriage and inner strength, and D10 (Dashamsha) for career. Your key varga positions, computed:

राशि कुंडली (D1) शरीर है; वर्ग कुंडलियां उसकी सूक्ष्म परतें हैं। शास्त्रीय परंपरा विवाह और आंतरिक बल के लिए D9 (नवांश) और करियर के लिए D10 (दशमांश) पढ़ती है। आपके प्रमुख वर्ग स्थान, गणना सहित:

Navamsha (D9): inner strength

नवांश (D9): आंतरिक बल

Planet ग्रह	D1 sign D1 राशि	Navamsha नवांश
Sun सूर्य	Cancer कर्क	Pisces मीन
Moon चंद्रमा	Taurus वृषभ	Gemini मिथुन
Mars मंगल	Aries मेष	Sagittarius धनु
Mercury बुध	Leo सिंह	Scorpio वृश्चिक
Jupiter बृहस्पति	Cancer कर्क	Leo सिंह
Venus शुक्र	Cancer कर्क	Virgo कन्या
Saturn शनि	Sagittarius धनु	Scorpio वृश्चिक
Rahu	Capricorn	Aries

SAMPLE

No planet is vargottama in your chart. Strength in your case comes from dignity and placement rather than D1/D9 repetition.

आपकी कुंडली में कोई ग्रह वर्गोत्तम नहीं है। आपके मामले में बल D1/D9 पुनरावृत्ति के बजाय उच्च-नीच और स्थिति से आता है।

Jaimini karakas: who does what in your life

जैमिनी कारक: आपके जीवन में कौन क्या करता है

Jaimini karakas are assigned by planetary degree: the planet with the highest degree becomes Atmakaraka (soul significator), and so on down the line. Yours:

जैमिनी कारक ग्रहों के अंशों से नियत होते हैं: सबसे अधिक अंश वाला ग्रह आत्मकारक (आत्मा का कारक) बनता है, और इसी क्रम में आगे। आपके:

Planet ग्रह	Karaka कारक
Sun सूर्य	Atmakaraka Atmakaraka
Mars मंगल	Amatyakaraka Amatyakaraka
Saturn शनि	Bhratrukaraka Bhratrukaraka
Mercury बुध	Matrukaraka Matrukaraka
Moon चंद्रमा	Putrakaraka Putrakaraka
Venus शुक्र	Gnatikaraka Gnatikaraka
Jupiter बृहस्पति	Darakaraka Darakaraka

SAMPLE

Sun as Atmakaraka, the significator of the self: the planet that most shapes your soul level desires and life direction.

आत्मकारक, आत्मा का कारक: वह ग्रह जो आपकी आत्मिक इच्छाओं और जीवन दिशा को सबसे अधिक आकार देता है।

Mars as Amatyakaraka, the significator of career and counsel: the planet shaping your profession and advisors.

अमात्यकारक, करियर और परामर्श का कारक: वह ग्रह जो आपके पेशे और सलाहकारों को आकार देता है।

Saturn as Bhratrukaraka, the significator of siblings and courage: the planet shaping your siblings and initiative.

भ्रातृकारक, भाई-बहन और पराक्रम का कारक: वह ग्रह जो आपके भाई-बहनों और पहल को आकार देता है।

Drekkana (D3): the finer shade

द्रेष्काण (D3): सूक्ष्म छटा

Body पिंड	Decanate द्रेष्काण	Sign राशि	Lord स्वामी
Lagna लग्न	3 3	Virgo कन्या	Venus शुक्र
Sun सूर्य	3 3	Cancer कर्क	Jupiter बृहस्पति
Moon चंद्रमा	2 2	Taurus वृषभ	Mercury बुध
Mars मंगल	3 3	Aries मेष	Jupiter बृहस्पति
Mercury बुध	3 3	Leo सिंह	Mars मंगल
Jupiter बृहस्पति	1 1	Cancer कर्क	Moon चंद्रमा
Venus शुक्र	1 1	Cancer कर्क	Moon चंद्रमा
Saturn शनि	3 3	Sagittarius धनु	Sun सूर्य
Rahu राहु	2 2	Capricorn मकर	Venus शुक्र
Ketu	2	Cancer	Mars

SAMPLE

Dashamsha devatas and khara navamsha

दशमांश देवता और खर नवांश

In Dashamsha (D10), your Atmakaraka Sun carries the devata Indra: the subtle deity-force coloring your soul-level career drive.

दशमांश (D10) में आपके आत्मकारक सूर्य के साथ देवता Indra हैं: वह सूक्ष्म दैवीय शक्ति जो आपके आत्मिक करियर प्रेरणा को रंग देती है।

Your khara navamsha lagna (the 64th navamsha, a sensitive point in classical practice) falls in Scorpio (वृश्चिक). Transits over this point tend to register more keenly.

आपका खर नवांश लग्न (64वां नवांश, शास्त्रीय परंपरा में संवेदनशील बिंदु) वृश्चिक (Scorpio) में पड़ता है। इस बिंदु पर गोचर अधिक तीव्रता से अनुभव होते हैं।

CHAPTER 7

Doshas and yogas: pressure points and gifts

दोष और योग: दबाव बिंदु और उपहार

Doshas are not curses; they are pressure points. Below, every dosha the classical screens actually found in your chart, with its traditional meaning and the honest counsel that goes with it. Absent doshas are noted too, because knowing what is NOT in your chart is part of a complete reading.

दोष अभिशाप नहीं हैं; वे दबाव बिंदु हैं। नीचे वे सभी दोष जो शास्त्रीय जांचों में आपकी कुंडली में वास्तव में पाए गए, उनके पारंपरिक अर्थ और ईमानदार परामर्श सहित। अनुपस्थित दोष भी दर्ज हैं, क्योंकि यह जानना कि आपकी कुंडली में क्या नहीं है, संपूर्ण व्याख्या का हिस्सा है।

Doshas present in your chart

आपकी कुंडली में उपस्थित दोष

SAMPLE

Mangal Dosha (lagna): Mars stands in house 8 from the lagna. Mangal dosha from the lagna: Mars in a dosha-giving house from the ascendant. Classical texts link it to heat in partnerships; the traditional counsel is patience in marriage matters and the Mangal upay given later.

Mangal Dosha (lagna): Mars stands in house 8 from the lagna. लग्न से मांगलिक दोष: लग्न से दोषकारी भाव में मंगल। शास्त्रीय ग्रंथ इसे साझेदारी में उग्रता से जोड़ते हैं; पारंपरिक परामर्श है विवाह मामलों में धैर्य और आगे दिया गया मंगल उपाय।

Mangal Dosha (chandra): Mars stands in house 12 from the Moon. Mangal dosha from the Moon: Mars in a dosha-giving house from the Moon. It adds emotional intensity to relationships; conscious calm is the remedy.

Mangal Dosha (chandra): Mars stands in house 12 from the Moon. चंद्रमा से मांगलिक दोष: चंद्रमा से दोषकारी भाव में मंगल। यह संबंधों में भावनात्मक तीव्रता जोड़ता है; सचेत शांति ही उपाय है।

Guru Chandal Yoga: Jupiter within 8 degrees of a lunar node. Guru-Chandal yoga: Jupiter joined with Rahu. Wisdom meets unorthodoxy: mentors may disappoint, so verify guidance and build your own judgment.

Guru Chandal Yoga: Jupiter within 8 degrees of a lunar node. गुरु-चाण्डाल योग: बृहस्पति राहु के साथ। ज्ञान का अपरंपरा से मेल: गुरु निराश कर सकते हैं, इसलिए मार्गदर्शन की जांच करें और अपनी विवेक बुद्धि बनाएं।

Also confirmed absent: Kaal Sarp Yoga. Many charts carry these; yours does not.

यह भी पुष्टि हुई कि अनुपस्थित हैं: Kaal Sarp Yoga। कई कुंडलियों में ये होते हैं; आपकी में नहीं हैं।

Anandadi yoga of your birth

आपके जन्म का आनंदादि योग

Your birth fell under Shubha (auspicious of the 28). Auspiciousness; clean, bright, favorable outcomes.

आपका जन्म Shubha (28 में से शुभ) के अंतर्गत हुआ। Auspiciousness; clean, bright, favorable outcomes.

SAMPLE

CHAPTER 8

Upay: your personalized remedies

उपाय: आपके व्यक्तिगत उपचार

Upay are not superstition; they are behavior design. Each remedy below was chosen because your chart specifically calls for it: the reason is stated with the remedy, so you know exactly what you are addressing and why.

उपाय अंधविश्वास नहीं हैं; वे व्यवहार की रचना हैं। नीचे हर उपाय इसलिए चुना गया है क्योंकि आपकी कुंडली विशेष रूप से इसकी मांग करती है: कारण उपाय के साथ दिया गया है, ताकि आप जान सकें कि आप ठीक किस चीज़ को संबोधित कर रहे हैं और क्यों।

1. Mangal Shanti: cool the fire

1. मंगल शांति: अग्नि को शीतल करें

Why this one: Mangal dosha is present in your chart: Mars's heat needs channeling.

यह क्यों: आपकी कुंडली में मांगलिक दोष है: मंगल की उग्रता को दिशा देने की आवश्यकता है।

Recite the Hanuman Chalisa on Tuesday mornings. Donate red lentils (masoor dal) or jaggery on Tuesdays. Chant Om Kram Krim Kraum Sah Bhaumaya Namah 108 times. Channel Mars into exercise and disciplined courage, never into arguments.

मंगलवार की सुबह हनुमान चालीसा का पाठ करें। मंगलवार को मसूर दाल या गुड़ दान करें। ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः का 108 बार जप करें। मंगल की ऊर्जा को व्यायाम और अनुशासित साहस में लगाएं, वाद-विवाद में कभी नहीं।

2. Brihaspati Bala: strengthen wisdom

2. बृहस्पति बल: ज्ञान को बल दें

Why this one: Guru-Chandal yoga is present: Jupiter's wisdom needs protection from Rahu's static.

यह क्यों: गुरु-चाण्डाल योग उपस्थित है: बृहस्पति के ज्ञान को राहु के शोर से बचाने की आवश्यकता है।

SAMPLE

On Thursdays eat yellow foods and donate bananas, turmeric or yellow cloth to a temple or teacher. Chant Om Gram Grim Graum Sah Gurave Namah 108 times. Touch the feet of elders and teachers: Jupiter grows through respect for knowledge.

बृहस्पतिवार को पीले खाद्य खाएं और मंदिर या गुरु को केले, हल्दी या पीला वस्त्र दान करें। ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः का 108 बार जप करें। बुजुर्गों और गुरुओं के चरण स्पर्श करें: बृहस्पति ज्ञान के सम्मान से बढ़ते हैं।

> Do upay for 40 days minimum before judging results. One remedy done with faith outweighs ten done mechanically.
>
> परिणाम आंकने से पहले कम से कम 40 दिन उपाय करें। श्रद्धा से किया एक उपाय यंत्रवत किए दस से भारी है।

CHAPTER 9

Your next 12 months: transits

आपके अगले 12 महीने: गोचर

Transits are the weather; dasha is the season. Below, the real computed positions of Saturn, Jupiter and the Rahu-Ketu axis for each of the next twelve months, read against your Moon sign Taurus (वृषभ). Houses are counted from your Moon.

गोचर मौसम है; दशा ऋतु है। नीचे अगले बारह महीनों में शनि, बृहस्पति और राहु-केतु अक्ष की वास्तविक गणना की गई स्थितियां, आपकी चंद्र राशि वृषभ (Taurus) के सापेक्ष पढ़ी गईं। भाव आपके चंद्रमा से गिने गए हैं।

Month माह	Saturn शनि	Jupiter बृहस्पति	Rahu/Ketu राहु/केतु
Sep 2026 सितंबर 2026	Pisces (Hs 11) मीन (भाव 11)	Cancer (Hs 3) कर्क (भाव 3)	Aquarius/Leo कुंभ/सिंह
Oct 2026 अक्टूबर 2026	Pisces (Hs 11) मीन (भाव 11)	Cancer (Hs 3) कर्क (भाव 3)	Aquarius/Leo कुंभ/सिंह
Nov 2026 नवंबर 2026	Pisces (Hs 11) मीन (भाव 11)	Leo (Hs 4) सिंह (भाव 4)	Aquarius/Leo कुंभ/सिंह
Dec 2026 दिसंबर	Pisces (Hs 11) मीन (भाव 11)	Leo (Hs 4) सिंह (भाव 4)	Aquarius/Leo कुंभ/सिंह

SAMPLE

Sign changes to watch

ध्यान देने योग्य राशि परिवर्तन

- Nov 2026: Jupiter enters Leo (सिंह)
  नवंबर 2026: बृहस्पति सिंह (Leo) में प्रवेश
- Jan 2027: Rahu enters Capricorn (मकर)
  जनवरी 2027: राहु मकर (Capricorn) में प्रवेश
- Feb 2027: Jupiter enters Cancer (कर्क)
  फरवरी 2027: बृहस्पति कर्क (Cancer) में प्रवेश
- Jul 2027: Saturn enters Aries (मेष)
  जुलाई 2027: शनि मेष (Aries) में प्रवेश
- Jul 2027: Jupiter enters Leo (सिंह)
  जुलाई 2027: बृहस्पति सिंह (Leo) में प्रवेश

The year in essence

वर्ष का सार

Jupiter: Courage rewarded: Jupiter in the 3rd from your Moon favors initiative, siblings and communication.

बृहस्पति: पराक्रम पुरस्कृत: चंद्रमा से तीसरे भाव में बृहस्पति पहल, भाई-बहनों और संवाद का पक्षधर है।

Saturn: Saturn in the 11th from your Moon: gains through persistence. Old efforts pay now.

शनि: चंद्रमा से ग्यारहवें भाव में शनि: दृढ़ता से लाभ। पुराने प्रयास अब फल देते हैं।

And remember the season inside the weather: your Ketu antardasha colors every month above with gains, friends, elder siblings and ambitions themes.

और मौसम के भीतर ऋतु याद रखें: आपकी केतु अंतर्दशा ऊपर के हर महीने को लाभ, मित्र, बड़े भाई-बहन और आकांक्षाएं के विषयों से रंगती है।

SAMPLE

CHAPTER 10

Closing: how to walk with this report

समापन: इस रिपोर्ट के साथ कैसे चलें

How to use this report: read it once end to end, then return to the dasha timeline and the upay section monthly. The dasha dates tell you when; the upay tells you how; the graha chapters tell you why. Keep it where you can find it: a kundali is not read once, it is consulted.

इस रिपोर्ट का उपयोग कैसे करें: इसे एक बार शुरू से अंत तक पढ़ें, फिर हर महीने दशा समयरेखा और उपाय खंड पर लौटें। दशा तिथियां बताती हैं कब; उपाय बताते हैं कैसे; ग्रह अध्याय बताते हैं क्यों। इसे वहां रखें जहां मिल सके: कुंडली एक बार नहीं पढ़ी जाती, उससे परामर्श किया जाता है।

Please note: this report is computed automatically from classical Parashari rules applied to your exact birth data. It describes tendencies and timing, not certainties. For important life decisions, confirm with a qualified astrologer. This is spiritual guidance, not medical, legal or financial advice.

कृपया ध्यान दें: यह रिपोर्ट आपके सटीक जन्म विवरण पर लागू शास्त्रीय पाराशरी नियमों से स्वतः गणना की गई है। यह प्रवृत्तियों और समय का वर्णन करती है, निश्चितताओं का नहीं। महत्वपूर्ण जीवन निर्णयों के लिए योग्य ज्योतिषी से पुष्टि करें। यह आध्यात्मिक मार्गदर्शन है, चिकित्सा, कानूनी या वित्तीय सलाह नहीं।

Prepared with care by Vedic Astrology, vedicastrology.services. May your dashas be kind and your upay be steady.

वैदिक ज्योतिष (Vedic Astrology), vedicastrology.services द्वारा स्नेह से तैयार। आपकी दशाएं दयालु हों और आपके उपाय स्थिर हों।

SAMPLE